पत्रिका

vedanta
transforming for good

HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

एक बेहतर कल के लिए, ज़िंक हमेशा आपके साथ

देश का ज़िंक – हिन्दुस्तान ज़िंक

- हिन्दुस्तान ज़िंक केवल धातुओं का उत्पादन ही नहीं, संभावनाएं भी सुनित करता है
- हिन्दुस्तान ज़िंक ग्लोबल एनर्जी ट्रांजीशन के क्षेत्र में भारत का नेतृत्व कर विश्व को प्रेरित कर रहा है
- ज़िंक का उपयोग स्टील, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोटिव जैसे उद्योगों और रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स, हाई-टेक मेन्युफैक्चरिंग, एनर्जी स्टोरेज, रक्षा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है
- लगातार दो वर्षों से, एस एण्ड पी ग्लोबल सी एस ए* में विश्व में नंबर एक
- ईकोजेन – एशिया का पहला कम कार्बन ग्रीन ज़िंक का उत्पादन

*मेटल्स एंड माइनिंग सेक्टर में

Hindustan Zinc Limited

निगम ने कइयों को थमाया नोटिस, फिर भी इधर-उधर डाल रहे कचरा

स्वच्छता के नाम पर फैला रहे गंदगी, रोजाना 10 रुपए भी नहीं निकल रहे होटल व प्रतिष्ठानों से

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. स्वच्छ भारत मिशन अभियान को लेकसिटी में चंद बड़े होटल उद्यमी व दुकानदार ठेंगा दिखा रहे हैं। 200-250 छोटे-बड़े प्रतिष्ठान तो ऐसे हैं जो बार-बार कहने के बावजूद अभी भी इधर-उधर सड़कों पर कचरा फेंक रहे हैं। निगम ने ऐसे 25 से 30 बड़े प्रतिष्ठानों को चिह्नित करते हुए नोटिस भी थमाया, लेकिन ये अब तक बाज नहीं आ रहे। ये प्रतिष्ठान ऐसे हैं जिनसे महज दस रुपए की एक चाय जितना पैसा भी उनकी जेब से सफाई के लिए नहीं निकल रहा। 250 रुपए से लेकर 1750 रुपए प्रतिमाह शुल्क को बचाने के लिए ये कचरे को चोरी छिपे इधर-उधर फेंक रहे हैं। स्वच्छता के नाम पर इन उद्यमियों से नाम मात्र की राशि भी खर्च नहीं की जा रही। अभी कई होटल व प्रतिष्ठानों के पैसों की बाकीयात चल रही है, मांगने पर कई बार उलझने तक की नौबत आ रही।

पत्रिका टीम ने वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों से उठने वाले कचरे के पूरे प्रोसेस को समझते हुए, जब इसकी हकीकत जानी तो हैरान करने वाली स्थिति सामने आई। शहर में कई होटल ऐसे निकले जो बिना लाइसेंस चलते मिले। जबकि कइयों ने लाइसेंस को रिन्यू ही नहीं करवाया। इधर, शहर के समस्त बड़े होटल को नियमानुसार अपने परिसर में एसटीपी प्लांट और ओडब्ल्यूसी कचरा निस्तारण प्लांट लगाने हैं, लेकिन अधिकांश के पास ये नहीं है। कुछ के पास है तो सिर्फ दिखावे के लिए। उन्होंने सीवरेज तक सीधा झीलों में छोड़ रखा है तो कचरे को निस्तारण के बजाए इधर-उधर फेंक रहे हैं।

इतना कचरा उठ रहा, इतनी हो रही इनकम

- 3000 होटल, रेस्टोरेंट व ठेला व्यवसाय से उठ रहा कचरा
- 16 बड़े वाहन रोजाना दिन रात कर रहे कचरा संग्रहण
- 60 टन कचरा प्रतिदिन व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से आ रहा
- 30 टन गीला, 20 टन सूखा और 10 टन मिक्स कचरा डाल रहे
- 8 से 10 लाख रुपए प्रतिमाह प्रतिष्ठानों से राजस्व आ रहा
- 4 से 5 लाख रुपए ठेकेदार निगम को प्रतिमाह दे रहा
- 1 लाख रुपए हर माह निगम जगह के एवज में दे रहा
- 25 बड़े और 227 छोटे होटल नहीं डाल रहे कचरा, न ही दे रहे राजस्व
- 250, 1000 और 1750 रुपए प्रतिमाह दर तय फिर भी नहीं दे रहे राशि
- 20 टन गीला कचरा प्रोसेस के बाद सीएनजी प्लांट में जा रहा
- 20 टन सूखा कचरा प्रोसेस के बाद सीमेंट फैक्ट्रियों में जा रहा

उद्योग दर्शन में नवाचार, उद्यमिता व जीरो इफेक्ट-जीरो डिफेक्ट पर चर्चा

उदयपुर. लघु उद्योग भारती उदयपुर के उद्योग दर्शन कार्यक्रम के तहत कलड़वास इकाई सचिव अभिजीत शर्मा की इकाई पर हुआ। जिलाध्यक्ष मनोज जोशी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100वें वर्ष में प्रवेश को रेखांकित करते हुए पंच प्रण सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्य पर चर्चा की। विशेष रूप से जेडइडी (जीरो इफेक्ट, जीरो डिफेक्ट) सर्टिफिकेशन पर चर्चा हुई। इसमें जितेश ने इसकी उपयोगिता और एमएसएमई के लिए इसके लाभों को विस्तार से समझाया। बताया कि जेडइडी सर्टिफिकेट उद्योगों में गुणवत्ता सुधार, पर्यावरण संरक्षण और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि के लिए बेहद आवश्यक है। यह प्रमाण-पत्र न केवल उत्पादकता और दक्षता को बढ़ाता है, बल्कि सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में भी मदद करता है। कार्यक्रम में कलड़वास इकाई अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष बाबूसिंह राजपुरोहित, राकेश कब्बरा-कोषाध्यक्ष, विक्रम सिंह गुर्जर, अनिल सोनावत, कैलाश शर्मा गुडली-इकाई कोषाध्यक्ष, हितेश शर्मा, अनिल मेहता मादड़ी इकाई, अमरसिंह सुखेर इकाई, दीपक चौधरी गिर्वा इकाई सहित पदाधिकारी रहे।